Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7307

PAPER–III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्—III

प्रश्न-पत्र—III

PAPER—III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य शतद्वयम् (200) अङ्काः सन्ति एवम् अस्मिन् चत्वारि (4) खण्डानि सन्ति। अभ्यर्थिभिः एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहितविस्तृत निर्देशानुसारं देयम्।

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

खण्डम् – I

खण्ड – I

SECTION - I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदानाश्रित्य पञ्च **(5)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम्प्रश्नः प्रायः त्रिंशत् **(30)** शब्दैः समपेक्ष्यते। प्रत्येकम्प्रश्नः **(5)** पञ्चाङ्कोऽस्ति। **(5x5=25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच **(5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्नका उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Note : This section contains five **(5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty **(30)** words and each carries five **(5)** marks. **(5x5=25 marks)**

अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती। तमवलोक्य सर्वे शृगालाश्चिन्तयन्ति स्म–'यद्ययं केनाप्युपायेन म्रियते तदाऽस्माकमेतद्देहेन मासचतुष्टयस्य भोजनं भविष्यति।' तत्रैकेन वृद्धशृगालेन प्रतिज्ञातम् – 'मया बुद्धिप्रभावादस्य मरणं साधयितव्यम्।' अनन्तरं स वञ्चकः कर्पूरतिलकसमीपं गत्वा साष्टाङ्गपातं प्रणम्योवाच– 'देव ! दृष्टिप्रसादं कुरु'। हस्ती ब्रूते– 'कस्त्वम्? कुतः समायातः?'। सोऽवदत् – 'जम्बुकोऽहम्। सर्वैर्वनवासिभिः पशुभिर्मिलित्वा भवत्सकाशं प्रस्थापितः। यद्विना राज्ञाऽवस्थातुं न युक्तम् तदत्राटवीराज्येऽभिषेक्तुं भवान् सर्वस्वामिगुणोपेतो निरूपितः। यतः –

यः कुलाभिजनाचारैरतिशुद्धः प्रतापवान्।
धार्मिको नीतिकुशलः स स्वामी युज्यते भुवि।।

अपरं च –

राजानं प्रथमं विन्देत्ततो भार्यां ततो धनम्।
राजन्यसति लोकेऽस्मिन्कुतो भार्या कुतो धनम्?।।

1. कः संसारेऽस्मिन् राजा इति कथ्यते?

2. राज्ञः अभावे किं भवति?

3. जम्बुकः किं विचिन्त्य गजसमीपं गतवान्?

4. सर्वस्वामिगुणोपेतः इति कैः कथं निरूपितम्?

5. अनेन कथानकेन का शिक्षा प्राप्यते?

खण्डम् – II

खण्ड – II

SECTION - II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **(5)** पञ्चाङ्कात्मकाः पञ्चदश **(15)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य उत्तरं प्रायः त्रिंशत् **(30)** शब्दैरपेक्ष्यते।

(5x15=75 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में पाँच–पाँच **(5-5)** अंकों के ×पंद्रह **(15)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Note : This section contains fifteen **(15)** questions each to be answered in about thirty **(30)** words. Each question carries five **(5)** marks.

(5x15=75 marks)

6. तन्वादिद्वादशभावानां नामानि विलिख्य केन्द्र – त्रिकोणभावा निरूपणीयाः।

तन्वादि द्वादश भावों के नाम लिख कर केन्द्र त्रिकोण भावों का निरूपण कीजिए।

Write the names of the twelve भावs & beginning with तनु and determine the केन्द्रत्रिकोण भावs.

7. भयात-भभोगयो: साधनं सोदाहरणं प्रतिपादनीयम्। भयात और भभोग साधन का सोदाहरण प्रतिपादन कीजिए।

Explain with examples the calculation of भयात and भभोग.

8. कल्पमानमेकसहस्रयुगमितं भवतीति निरूप्यताम्। कल्प का मान एक हजार युग पर्यन्त होता है इसका निरूपण कीजिए।

Show that the duration of one कल्प may be upto one thousand युगs.

9. 'सुद्धयुपास्यः' इत्यत्र यणादेशस्य ससूत्रं समर्थनं कुरूत।

'सुद्धयुपास्यः' उदाहरण में यणादेश का ससूत्र समर्थन कीजिए।

Substantiate with relevant सूत्रs the formation of यणादेश in the example "सुद्धयुपास्यः"

10. पूर्वमीमांसासम्मतं भावना लक्षणं लिखत।

पूर्वमीमांसा के अनुसार भावना का लक्षण लिखिए।

Explain the definition of भावना according to पूर्वमीमांसा.

11. पूर्वमीमांसामनुस्रत्य धर्मलक्षणं प्रतिपादयत।
पूर्वमीमांसा के अनुसार धर्म का लक्षण लिखिए।
Discuss the defination of धर्म according to पूर्वमीमांसा.

12. न्यायसम्मतमात्मस्वरूपं संक्षेपेण विव्रियताम्।
न्याय के अनुसार आत्मा का स्वरूप संक्षेप में बतलाइए।
Briefly discuss the nature of आत्मन् according to न्याय.

13. असदकरणादिति हेतुर्व्याख्यायताम्।

"असदकरणात्" हेतु की व्याख्या कीजिए।

Explain the ground : असदकरणात्।

14. संक्षेपेण महाभारतीयराजधर्मं प्रतिपादयत।

संक्षेप में महाभारतीय राजधर्म का प्रतिपादन करें।

Briefly discuss राजधर्म as found in the महाभारत.

15. शतपथब्राह्मणस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।

शतपथब्राह्मण के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।

State the charateristics of शतपथब्राह्मण.

16. उत्तमोत्तमकाव्यस्य सोदहरणं विवेचनं कुरूत।

उत्तमोत्तम काव्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

Discuss the nature of उत्तमोत्तमकाव्य with examples.

17. नायिकाभेदान् वर्णयत।

नायिकाभेद का वर्णन कीजिए।

Describe the types of नायिका.

18. उपयोगितावादास्तित्ववादयो: क: भेद: ?

उपयोगितावाद और अस्तित्ववाद में क्या भेद है?

What is difference between उपयोगितावाद and अस्तित्ववाद ?

19. अद्वैतमतेन जीवन्मुक्तलक्षणानि विवृणुत।

अद्वैतमतानुसार जीवन्मुक्त लक्षणों का विवरण कीजिए।

Explain the features of जीवन्मुक्त according to the Advaita view.

20. माध्वमतेन मोक्षे आनन्दतारतम्यस्वरूपं प्रतिपादयत।

माध्वमतानुसार मोक्षावस्था में आनन्दतारतम्य का स्वरूप बताइए।

Explain the nature of आनन्दतारतम्य in the state of मोक्ष according to the माध्व view.

खण्डम् – III
खण्ड – III
SECTION - III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकेवर्गः/विशेषज्ञतानुसारं पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। अभ्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिक वर्गं/विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव प्रञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्नः (12) द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुत्तरं प्रायः शतद्वय (200) शब्दैःअपेक्ष्यते।

(12x5=60 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

ज्योतिषम्

21. समीक्ष्यताम् –
समीक्षा कीजिए –
Critically Examine -
''पूर्वमायुः परीक्षेत।''

22. सप्तमभावस्य विचारणीयाः विषयाः प्रतिपादनीयाः।
सप्तमभाव के विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।
Discuss the subjects to be examined in the case of सप्तमभाव.

23. ग्रहाणां नीचोच्चराशयः विवेचनीयाः।
ग्रहों की नीच एवं उच्चराशियों का विवेचन कीजिए।
Discuss the नीच and उच्च राशिs of the planets.

24. व्याख्यायताम् –
व्याख्या कीजिए –
Explain -
''प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्।''

25. स्वकल्पितोदाहरेण विंशोत्तरीदशासाधनं विधेयम्।
कल्पित उदाहरण द्वारा विंशोत्तरी दशा का साधन कीजिए।
Determine विंशोत्तरी दशा with your own example.

सिद्धान्तज्योतिषम्

21. उपपाद्यताम् –

उपपत्ति बतलाइए –

Justify -

$$\frac{\text{मन्दपरिध्यंशाः} \times \text{भुजांशाः}}{360} = \text{मन्दफलम्}$$

22. उदयान्तरसाधनमुपपाद्यताम्।

उदयान्तदसाधन की उपपत्ति बतलाइए।

Explain उदयान्तरसाधन

23. ग्रहणे खग्रास खण्डग्रासयोरन्तरं विविच्यताम् ।

ग्रहण में खग्रास और खण्डग्रास के अन्तर की विवेचना कीजिए ।

Explain the difference between खग्रास and खण्डग्रास in the context of ग्रहण.

24. व्याख्यायताम् –

व्याख्या कीजिए –

Explain

"यत्र लग्नमपमण्डलं कुजे तद्गृहाद्यमिह लग्नमुच्यते।"

25. दिक्साधनस्य प्रविधिः क्षेत्ररचनापुरस्सरं प्रतिपादनीयः।

क्षेत्ररचना के साथ दिक्साधन की प्रविधि बतलाइए।

Write on the techniques of दिक्साधन with diagram.

व्याकरणम्

21. शब्दानुशासनस्य प्रमुखप्रयोजनानि विशदयत।

शब्दानुशासन के प्रमुखप्रयोजन बतलाइए।

Explain the प्रमुख प्रयोजनs of the शब्दानुशासन।

22. व्यञ्जनसन्धिविधायकं सूत्रमेकमुल्लिख्य सोदाहरणं व्याख्यात।

व्यञ्जनसन्धि विधायक एक सूत्र का उल्लेख कर उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

Mention one aphorism prescribing व्यञ्जनसन्धि and explain with examples.

23. 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' इति सूत्रं समासतः सोदाहरणं व्याख्यात।

'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या संक्षेप में कीजिए।

Explain in brief the meaning of the rule तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम् with examples.

24. पञ्च तद्धितप्रत्ययान् ससूत्रं सोदाहरणं च निर्दिशत।
पाञ्च तद्धितप्रत्ययों का सूत्रसहित और उदाहरण सहित निर्देश कीजिए।
State five तद्धितप्रत्ययs with relevant सूत्रs and examples.

25. द्वन्द्वसमासविधायकं सूत्रमेकं विलिख्य व्याख्यात।
द्वन्द्वसमास का एक सूत्र लिखकर व्याख्या कीजिए।
Mention one rule prescribing द्वन्द्वसमास and explain it with examples.

मीमांसा

21. अभिहितान्वयवादं विवेचयत।
अभिहितान्वयवाद का विवेचन कीजिए।
Critically examine अभिहितान्वयवाद.

22. पूर्वमीमांसामाधृत्य अर्थवादं विशदयत।
पूर्वमीमांसा के आधार पर अर्थवाद को स्पष्ट कीजिए।
Explain in detail अर्थवाद according to पूर्वमीमांसा.

23. मीमांसादृष्ट्या दर्शपूर्णमासेष्टिं निरूपयत।
मीमांसा की दृष्टि से दर्शपूर्णमासेष्टि का निरूपण करें।
Point out दर्शपूर्णमासेष्टि according to मीमांसा.

24. विष्णुयागं वर्णयत।
विष्णुयाग का वर्णन कीजिए।
Give an account of विष्णुयाग.

25. वेदानामपौरूषेयत्वं प्रतिपादयत।
वेदों की अपौरुषेयता का प्रतिपादन कीजिए।
Explain in detail अपौरुषेयता of वेदs.

नव्यन्यायः

21. समवायस्यास्तित्वे किं प्रमाणम्? समवायः प्रत्यक्षो न वा? विशदमालोचनीयम्।
समवाय की सत्ता में क्या प्रमाण है? समवाय प्रत्यक्ष है या नही? विस्तृत आलोचना कीजिए।
What is the proof for the existence of समवाय? Is समवाय perceptible ? Discuss.

22. आत्मनो देहातिरिक्तत्वं सम्यगुपपाद्यताम्।
स्वयं की देहातिरिक्तता को सही ढंग से स्पष्ट कीजिए।
Clearly justify the self as distinct from the body.

23. परमाणु: कथं सिध्यति ? परमाणुभ्य: स्थूलभूतानां कथमुत्पत्ति: ? व्याख्यायताम्।
परमाणु कैसे सिद्ध होता है? परमाणुओं से स्थूलभूत कैसे उत्पन्न होते हैं – व्याख्या कीजिए।
How is परमाणु proved ? How are gross भुतs produced from परमाणुs ? Explain

24. मोक्ष: प्रागभावरूप: ध्वंसाभावरूप: अत्यन्ताभावरूपो वेति विचार्यताम्।
मोक्ष प्रागभावरुप है या ध्वंसाभावरूप है अथवा अत्यन्ता भावरूप है – विवेचना कीजिए।
Discuss whether मोक्ष is of the nature of प्रागभाव or ध्वंसाभाव or अत्यन्ताभाव.

25. स्वत: प्रामाण्यवादनिराकरणे युक्तय: प्रदर्शनीया:।
स्वत: प्रामाण्यवाद का निराकरण करने की युक्ति बतालाइये।
Explain the arguments refuting स्वत: प्रामाण्यवाद.

सांख्ययोगौ

21. सांख्यमतानुसारमनुमानस्य भेदा: प्रदर्शनीया:।
सांख्यमत के अनुसार अनुमान प्रमाण के भेद बताइए।
Discuss the different kinds of अनुमान according to the सांख्य view.

22. प्रधानस्य जगत्कारणत्वमुपपाद्यताम्।
प्रधान की जगत्कारणता का प्रतिपादन कीजिए।
Explain how प्रधान becomes the cause of the world.

23. गुणत्रयस्य स्वरूपं नियुणं व्याख्यायताम्।
गुणत्रय के स्वरूप की स्पष्ट-रूप से व्याख्या कीजिए।
Clearly explain the nature of the three गुणs

24. योगदर्शनानुसारं कैवल्यस्य कैवल्यलाभोपायस्य च विवरणं प्रदेयम्।
योगदर्शन के अनुसार कैवल्य और कैवल्यप्राप्ति के उपायों पर प्रकाश डालिए।
Give an account of कैवल्य and the means for attaining कैवल्य according to योग.

25. योगानुसारं सिद्धिस्वरूपमालोचनीयम्।
योग के अनुसार सिद्धि के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
Discuss the nature of सिद्धि according to योग.

तुलनात्मकदर्शनम्

21. स्याद्वादैकान्तवादयोः अन्तरं प्रतिपादयत।
स्यादवाद और एकान्तवाद में अन्तर बताइए।
Describe the difference between स्याद्वाद and एकान्तवाद.

22. नास्तिकास्तिकवादयोः वैषम्यं स्पष्टयत।
नास्तिकवाद और आस्तिकवाद में वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।
Point out clearly the dissimilarities between नास्तिकवाद and आस्तिकवाद.

23. क्षणभङ्गवादः शून्यवादात् कथं भिन्नः इति विवेचयत।
क्षणभंगवाद शून्यवाद से किस प्रकार भिन्न है? विवेचन कीजिए।
Discuss how क्षणभङ्गवाद is different from शून्यवाद.

24. बुद्धिवादप्रत्ययवादयोः साम्यं वैषम्यं च विवेचयत।
बुद्धिवाद और प्रत्ययवाद के साम्य और वैषम्य का विवेचन कीजिए।
Discuss the similarities and dissimilarities between बुद्धिवाद and प्रत्ययवाद.

25. विवर्त्तवादस्य वैशिष्ट्यं प्रतिवादयत।
विवर्त्तवाद के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the characteristics of विवर्त्तवाद.

शुक्लयजुर्वेदः

21. शुक्लयजुर्वेदानुसारं सामाजिकं जीवनं विवेचयत
शुक्लयजुर्वेद के अनुसार सामाजिक जीवन का विवेचन कीजिए।
Give an account of social life according to शुक्लयजुर्वेद.

22. वैदिकवाङ्मयस्य वैलक्षण्यं प्रतिपाद्य "वेदोऽखिलो धर्ममूलमित्युक्तेः यथार्थतां प्रतिपादयत"
वैदिकवाङ्मय का वैशिष्ट्य प्रतिपादन करके वेदोऽखिलो धर्ममूलम् इति वचनकी यथार्थता का प्रतिपादन करें ।
Explain the speciality of vedic literature and justify the statement "वेदोऽखिलो धर्ममूलम्"

23. मन्त्र ब्राह्मणयोर्भेदं प्रदर्श्य शुक्लयजुर्वेदीय ब्राह्मणग्रन्थस्य परिचयं लिखत ।
मन्त्र और ब्राम्हण का भेद लिखकर शुक्लयजुर्वेदीय ब्राह्मणग्रन्थ का परिचय लिखें ।
Show the difference between मन्त्र and ब्राह्मण and give an account of the ब्राह्मणs of शुक्लयजुर्वेद

24. उपनिषत्परिचयं प्रदाय ईशोपनिषदः वैशिष्ट्यं लिखत।
उपनिषत् का परिचय देकर ईशोपनिषद् का वैशिष्ट्य लिखे।
Give an idea of उपनिषत् and mention the special features of ईशोपनिषत्.

25. पारस्करगृह्यसूत्रोक्तदिशा उपनयनसंस्कारं प्रतिपादयत।
पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार, उपनयन संस्कार का प्रतिपादन करें।
Discuss उपनयनसंस्कार according to पारस्करगृह्यसूत्र.

माध्ववेदान्तः

21. तत्त्वमसीति वाक्यमधिकृत्य नवकृत्वोपदेशस्य रहस्यं प्रकटयत।
तत्त्वमसि इस वाक्य पर आधारित नवकृत्वोपदेश का रहस्य बतलाइए।
Bring out the essence of नवकृत्वोपदेश on the basis of the text तत्त्वमसि.

22. माध्ववेदान्तमनुसृत्य अनिर्वचनीयख्याति निरसनं कुरूत।
माध्ववेदान्त के अनुसार अनिर्वचनीयख्याति का निरसन कीजिए।
Write a note on the refutation of the अनिर्वचनीयख्याति according to Madhva.

23. 'मोक्षश्च विष्णु प्रसादेन विना न लभ्यते' वाक्यस्यास्य तत्त्वं निरूपयत।
मोक्षश्च विष्णुप्रसादेन विना न लभ्यते इस वाक्यगत तत्त्व का निरूपण कीजिए।
Explain the implications of sentence मोक्षश्च विष्णुप्रसादेन विना न लभ्यते।

24. द्वैतवेदान्तरीत्या स्वतः प्रामाण्यवादं विमृशत।
द्वैतवेदान्तानुसार स्वतः प्रामाण्यवाद पर विचार कीजिए।
Write a critical note on स्वतः प्रामाण्यवाद according to द्वैतवाद।

25. भगवतः नारायणस्य समतीतक्षराक्षरत्वं प्रतिपादयत
परमात्मा नारायण के समतीतक्षराक्षरत्व का प्रतिपादन कीजिए।
Justify the principle that नारायण is समतीतक्षराक्षर।

धर्मशास्त्रम्

21. धर्मलक्षणं विलिख्य धर्मे प्रमाणानि प्रतिपादयत।
धर्मलक्षण को लिखकर धर्मप्रमाणों का प्रतिपादन करें।
Give the definition of धर्म and discuss the proofs for धर्म.

22. पञ्चमहायज्ञान् प्रतिपादयत।
पञ्चमहायज्ञों का प्रतिपादन करें।
Discuss the five महायज्ञाs.

23. राज्ञः कर्त्तव्यानि यथाशास्त्रं निरूपयत।
राजा के कर्त्तव्यों का निरूपण यथाशास्त्र करें।
Explain the duties of the king according to शास्त्र.

24. प्रायश्चित्तलक्षणं विलिख्य सुरापानप्रायश्चितं विमृशत।
प्रायश्चित्त का लक्षण लिखकर सुरापानप्रायश्चित्त पर विचार कीजिए।
Give the definition of प्रायश्चित्त and discuss the प्रायश्चित्त for सुरापान।

25. दायशब्दस्य विभागशब्दस्य च अर्थं विलिख्य पितृघनविभागकालान् निरूपयत।
दाय-शब्द और विभागशब्द के अर्थ लिखकर पितृधन के विभागकाल का निरूपण करें।
Explain the meanings of the words दाय and विभाग and determine the time for पितृधनविभाग.

साहित्यम्

21. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' - व्याख्यायताम्।
'रीतिरात्मा काव्यस्य' - इसकी व्याख्या कीजिए।
Explain 'रीतिरात्मा काव्यस्य'।

22. काव्यभेदान् वर्णयत।
काव्य के भेदों का वर्णन कीजिए।
Describe the different kinds of काव्य।

23. ध्वनिलक्षणं विवृणुत।
ध्वनि के लक्षण लिखिए।
Give the definition of ध्वनि.

24. औचित्यवादो व्याख्यायताम्।
औचित्यवाद की व्याख्या कीजिए।
Explain औचित्यवाद.

25. 'वक्रोक्ति काव्यजीवितमिति' व्याख्यायताम्।
'वक्रोक्ति ही काव्य का जीवन हैं' व्याख्या कीजिए।
Discuss the view that वक्रोक्ति is the soul of the poetry.

पुराणेतिहासौ

21. कृष्णावतारस्य महत्त्वं संक्षेपेण कुरूत।
कृष्णावतार का मूल्यांकन संक्षेप में कीजिए।
Explain in brief the importance of the कृष्णावतार.

22. सामान्यत: पुराणस्य महत्वं वैशिष्ट्यं च प्रतिपादयत।
सामान्य दृष्टि से पुराण के महत्व और वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।
Discuss in general the importance and special features of पुराण.

23. महाभारते वर्णितस्य विदुरनीते: वैशिष्ट्यं विवेचयत।
महाभारत में वर्णित विदुरनीति पर प्रकाश डालिए।
Bring out the special features of the विदुरनीति as found in the महाभरात.

24. महाभारत प्रतिबिम्बितां सामाजिकीं व्यवस्थां वर्णयत।
महाभारत प्रतिबिम्बित सामाजिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
Describe the social conditions as reflected in the महाभारत.

25. मत्स्यपुराणे वर्णिता: वास्तुशास्त्रीया: परम्परा: निरूपणीया:।
मत्स्यपुराण में वर्णित वास्तुशास्त्रीय परम्परा का निरूपण कीजिए।
Describe the tradition of वास्तुशास्त्र as found in the मत्स्यपुराण।

आगम:

21. व्याख्ययताम् –
व्याख्या कीजिए –
Explain
"नो सिद्धयत्यजपान्मन्त्र: नाहुतश्च फलप्रद:।"

22. महाविद्यानां नामानि विलिख्य विद्या – महाविद्ययोरन्तरं निरूप्यताम्।
महाविद्याओं के नाम लिखकर विद्या एवं महाविद्या का अन्तर बतलाइये।
Give the names of महाविद्या and show the difference between विद्या and महाविद्या.

23. अध्यासमाश्रित्य संक्षिप्तटिप्पणी लेखनीया।
अध्यास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a brief note on अध्यास.

24. समीक्ष्यताम् –

समीक्षा कीजिए –

Critically Examine

"पाशबध्दो भवेज्जीव:।"

25. मन्त्ररहस्यं सम्यक् विविच्यताम्।

मन्त्र को रहस्य की सम्यक् विवेचना कीजिए।

Discuss मन्त्ररहस्य properly.

अद्वैतवेदान्तः

21. अध्यासस्य स्वरूपं निरूपयत।

अध्यस का स्वरूप बतलाइए।

Explain the nature of अध्यास.

22. अद्वैतमतमनुसृत्य 'जन्माद्यस्य यत:' सूत्रमिदं व्याख्यात

अद्वैतमतानुसार 'जन्माद्यस्य यत:' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

Bring out the purport of the सूत्र 'जन्माद्यस्य यत:'according to Advaita.

23. शांकरमतानुसारेण जीवस्वरूपं विशदयत।

शांकरमतानुसार जीवस्वरूप का विवरण कीजिए।

Explain the nature of जीव according to शंकर.

24. अद्वैतमतरीत्या "नेह नानास्ति किञ्चन" इति श्रुतितात्पर्यं विशदयत।

अद्वैतमतानुसार "नेह नानास्ति किञ्चन" इस श्रुति का तात्पर्य बतलाइए।

Explain the purport of the श्रुति text "नेह नानास्ति किञ्चन" according to advaita.

25. जीवब्रह्मैक्यं सप्रमाणम् उपपादयत।

जीवब्रह्मैक्य का उपपादन प्रमाणसहित कीजिए।

Justify the theory of जीवब्रह्मैक्य with valid proofs.

खण्डम् – IV
खण्ड – IV
SECTION - IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मकः (40) निबन्धाश्रेणीकः एकः प्रश्नोऽस्ति, यस्योत्तरं निम्नविषयेवु अन्यतममाश्रित्य प्रायः सहस्रमितैः (1000) शब्दैरपेक्ष्यते।

(40x1=40 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

26. संस्कृतभाषया कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीय :
किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।
Write an essay in sanskrit on any one of the following topics.

क) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्
ख) आचारः परमो धर्मः
ग) संस्कृतिः संस्कृताश्रिता
घ) काव्येषु नाटकं रम्यं गत्र रम्या शकुन्तला
ङ) विद्यावतां भागवते परीक्षा
च) दर्शनेषु मोक्षस्वरूपम्
छ) वर–वधूमेलापकविचारः
ज) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....